हिन्दी

(www.tiwariacademy.com)
(वसंत)(पाठ 15)(महादेवी वर्मा – नीलकंठ)
(कक्षा 7)

प्रश्न अभ्यास

निबंध से

प्रश्न 1:
मोर–मोरनी के नाम किस आधार पर रखे गए?

उत्तर 1:
मोर की गर्दन नीली होती है उसके इसी रंग के कारण डसका नाम नीलकंठ रखा गया । मोरनी सदा उसके साथ ऐसे रहा करती थी जैसे राधा भगवान कृष्ण के साथ रहा करती थीं एसीलिए मोरनी का नाम राधा रखा गया ।

प्रश्न 2:
जाली के बड़े घर में पहुँचने पर मोर के बच्चों का किस प्रकार स्वागत हुआ?

उत्तर 2:
जाले के बड़े घर मेंजब मोर के बच्चे पहॅचे तो उनके स्वागत में अंदर के सभी पशु–पक्षी चारों तरफ घूम–घमकर उनका निरीक्षण करने लगे लक्का कबूतर अपना नाच–गाना छोड़कर उनके चारों ेर घूमकर गुटर–गॅू करने लगे छोटे खरगोश भी उनके चारों ओर उछल–कूद कर नाचने लगे ।इस प्रकार उन दोनों का स्वागत करने में चारों तरफ उत्सव का सा माहौल हो गया ।

प्रश्न 3:
लेखिका को नीलकंठ की कौन–कौन सी चेष्टाएँ बहुत भाती थीं?

उत्तर 3:
जब मोर गर्दन ऊॅची करके देखता , गर्दन को नीची करके पानी पीता और गर्दन को टेढ़ी करके कुढ सुनने की कोशिश करता तथा पंख फैलाकर झामकर नाचता तो उसकी यं सभी चेष्टाऐ लेखिका को बहुत भाती थीं।

प्रश्न 4:
'इस आनंदोत्सव की रागिनी में बेमेल स्वर कैसे बज उठा'। वाक्य किस घटना की ओर संकेत कर रहा है?

उत्तर 4:
नानकंठ और राधा आपस में खुशी से रह रहे थे लेकिन उनकी यह खुशी ज्यादा दिन तक न रह सकी उन दोनों के बीच कुब्जा नाम की एक मोरनी आ गई उससे दोनों की यह खुशी देखी नहीं गइ और उसने राधा को परेशान करना शुरू कर दिया वह उसे नीलकंठ के पास तक नहीं जाने देती थी दौर उस पर चोंच से प्रहार करती थी । वह हर समय नील कंठ के नजदीक रहता चाहती थी और किसी को भी उसके नजदीक नहीं आने देती थी । नीलकंठ उससे दूर रहना चाहता था ओर राधा के समीप रहना चाहता था पर कुब्जा के रहते हुए ऐसा संभव नहीं था । नील कंठ इस माहौल में दुखी रहने लगा जिसका अंत उसकी मृत्यु के रूप में हुआ ।

प्रश्न 5:
वसंत श्रृतु में नीलवंफठ के लिए जालीघर में बंद रहना असहनीय क्यों हो जाता था?

उत्तर 5:
वसंत श्रृतु में प्रकृति में चारों ओर हीरयाली छा जाती है प्रकृति अपने नए रूप में सामने आती है औंर मोर एक प्रकृति प्रेमी जीव ठहरा उसे पेड़ों की ऊँची डाले पर बैठना और खुले में पकृति का आनंद लेना अच्छा लगता था। ऐसे में उसे पिंजड़े में रोकना काफी मुश्किल था इसीलिए उसे जालीघर में से छोड़ना पड़ता था ।

प्रश्न 6:
जालीघर में रहनेवाले सभी जीव एक–दूसरे के मित्र बन गए थे, पर कुब्जा के साथ ऐसा संभव क्यों नहीं हो पाया?

उत्तर 6:
कुब्जा लड़ाकू स्वभाव की थी वह किसी से बात करना और मिलना पसंद नहीं करती थी उसे केवल नीलकंठ का साथ अच्छा लगता था वह उसी के साथ अकेले रहना चाहती थी । इसी लिए लालीघर के सभी प्रणियों में मित्रता के बाद भी वह अकेली थी ।

प्रश्न 7:
नीलकंठ ने खरगोश के बच्चे को साँप से किस तरह बचाया ? इस घटना के आधार पर नीलकंठ के स्वभाव की विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

उत्तर 7:
जब सॉप ने खरगोश के बच्चक को अपने मुँह में दबा लिया तो उसकी चीं–चीं की आवाज सुनकर पेड़ पर बेठा नीलकंठ उसके पास आया और उसबच्चे को बचाने के लि उसने सॉप के फन के कुछ पीछे अपनी चोंच से वार कि जिससे कुछ ही देर में सॉप ने खरगोश के बच्चे को छोड़ दिया , उसके बाद नसने सॉप को मार डाला और सहमे हुए खरगोश के बच्चे को अपने पंखों में छुपाकर उसे सहारा देता रहा ।उसके इस व्यवहार से यह पता चलता है क विह वीर ,साहसी , और संकट में अपने मित्रों का साथ देने वाला था ।

निबंध से आगे

प्रश्न 1:
यह पाठ एक 'रेखाचित्र' है। रेखाचित्र की क्या–क्या विशेषताएँ होती हैं? जानकारी प्राप्त कीजिए और लेखिका के लिखे किसी अन्य रेखाचित्र को पढ़िए।

उत्तर 1:
रेखाचित्र में किसी के जीवन के महत्वपूर्ण जीवन के पजो के द्वारा उसके पूरे जीवन की जानकारी मिल जाती है जिसमें भावत्मकता और संवेदना प्रधान होती है । मीादेवी जी के अन्य रेखाचित्र सोना और गिल्लू आदि हैं जिन्हें बच्चे अपने पुस्तकालय से लकर रेखाचित्रों के बारे में और जानकारी प्राप्त कर सकते हैं ।

प्रश्न 2:

वर्षा श्रृतु में जब आकाश में बादल घिर आते हैं तब मोर पंख पैफलाकर धीरे–धीरे मचलने लगता ह। यह मोहक दृश्य देखने का प्रयास कीजिए।

उत्तर 2:

बच्चे अपनी कल्पना के आधार पर मोहक दृश्य को देखने का प्रयास करेंगे ।

प्रश्न 3:

पुस्तकालय से ऐसी कहानियों, कविताओं या गीतों को खोजकर पढ़िए जो वर्षा श्रृतु और मोर के नाचने से संबंधित हों।

उत्तर 3:

बच्चे ऐसी कहानियों से अपना ज्ञान बढ़ाने का प्रयास करेंगे ।